समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

शरद पवार ने उठाया सवाल : चुनाव आयोग क्यों चुप है, जब राहुल गांधी उठाते है मुद्दा

Sanket Morankar

Published on 23 Sep 2025

नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (NCP) के प्रमुख **शरद पवार** ने हाल ही में चुनाव आयोग की चुप्पी पर **सख्त सवाल उठाए।**

- उन्होंने कहा कि जब **लोकसभा मे विपक्ष के नेता राहुल गांधी** किसी महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दे को उठाते हैं, तो **संबंधित संस्था को इसका संज्ञान लेना चाहिए।**
- लेकिन पवार ने आरोप लगाया कि **ऐसा नहीं हो रहा है।**

- राहुल गांधी ने हाल ही में **चुनावी निष्पक्षता और सत्ता के उपयोग** से जुड़े प्रश्न संसद में उठाए।
- कांग्रेस नेताओं का कहना है कि चुनाव आयोग को इन मुद्दों पर **सुनवाई और स्पष्ट प्रतिक्रिया** देना चाहिए।
- शरद पवार ने यह भी कहा कि **आयोग का मौन लोकतंत्र की संस्थागत भूमिका पर प्रश्न चिह्न** खड़ा करता है।

- पवार के अनुसार, आयोग **राजनीतिक आरोपों या सवालों पर जवाब देने मे देरी कर रहा है।**
- उनका मानना है कि यह **लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं मे पारदर्शिता और जिम्मेदारी की कमी** को दर्शाता है।
- राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि चुनाव आयोग की चुप्पी **संविधानिक जिम्मेदारी और जनता के विश्वास** के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती है।

- बीजेपी ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि चुनाव आयोग **पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष** है।

- विपक्ष के नेताओं का कहना है कि **संस्थान केवल सुनवाई और कार्रवाई मे निष्क्रिय नहीं रह सकता।**
- शरद पवार ने स्पष्ट किया कि **लोकतंत्र मे पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है।**

- राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि पवार का बयान **चुनावी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर प्रश्न** खड़ा करता है।
- उन्होंने कहा कि यह स्थिति **सत्ताधारी और विपक्ष के बीच संतुलन बनाए रखने** की चुनौती है।
- विश्लेषकों के अनुसार चुनाव आयोग की चुप्पी **राजनीतिक दबाव से बचने और जांच प्रक्रिया को समय देने** का संकेत हो सकती है।

- पवार के बयान के बाद सोशल मीडिया पर **चर्चा तेज़ हो गई।**
- लोग चुनाव आयोग की चुप्पी और राजनीतिक आरोपों पर **गहन बहस कर रहे है।**
- कई उपयोगकर्ताओं ने पूछा कि **संस्थागत जवाबदेही और लोकतांत्रिक प्रक्रिया मे पारदर्शिता** कैसे सुनिश्चित होगी।

- पवार ने स्पष्ट किया कि **संगठित लोकतंत्र मे संस्थाओं को सक्रिय और जवाबदेह होना चाहिए।**
- उन्होंने कहा कि जब **लोकसभा मे सांसद सवाल उठाते है**, तो यह लोकतंत्र की मजबूती और पारदर्शिता के लिए जरूरी है।
- उनका कहना था कि **संस्थान का मौन लोकतंत्र के हित मे नहीं है।**

शरद पवार का बयान चुनाव आयोग की चुप्पी और **लोकतांत्रिक संस्थाओं की जिम्मेदारी** पर नया प्रकाश डालता है।

- उनका यह संदेश है कि **लोकतंत्र मे जवाबदेही, पारदर्शिता और सक्रियता** सभी संस्थाओं के लिए अनिवार्य है।
- जनता और विपक्ष इस मुद्दे पर **सावधान है और आगे की कार्रवाई पर नजर रखे हुए है।**
- आने वाले दिनों में यह मामला **राजनीतिक बहस और मीडिया कवरेज** का प्रमुख विषय बना रहेगा।

इस घटना से स्पष्ट होता है कि **भारतीय लोकतंत्र मे संस्थागत जवाबदेही और पारदर्शिता** पर हमेशा ध्यान देने की आवश्यकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.